केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

संख्या : कोर/जी/पीआर/10/21 दिनांक 25.10.2021

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली से कामाख्या तक अब विद्युत कर्षण पर दौड़ेंगी गाड़ियाँ

भारत सरकार द्वारा ब्रॉड गेज रूटों का शत प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज ने एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया है। नई दिल्ली से कामाख्या स्टेशन की कुल दूरी 2000 रूट किलोमीटर है, यह खण्ड अब पूर्णरूप से विद्युतीकृत हो गया है। विद्युत कर्षण द्वारा इस रूट पर चलने वाली पहली सवारी गाड़ी ब्रहम्पुत्र मेल थी जो नई दिल्ली स्टेशन से चलकर कामाख्या स्टेशन तक की पूरी यात्रा विद्युतीकृत मार्ग पर सम्भव हो सकी। ट्रेन असम में प्रवेश करने से पहले उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पश्चिम बंगाल से होकर गुजरती है। भारतीय रेलवे ने एक प्रमुख बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कामाख्या स्टेशन तक विद्युत इंजन के साथ पहली सवारी गाड़ी का संचालन किया, जो उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे (NFR) क्षेत्र के लामडिंग मण्डल के अंतर्गत आता है। कामाख्या स्टेशन असम राज्य के गुवाहाटी स्टेशन के बगल में है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रमुख स्टेशन है, एवं पर्यटन एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। जहाँ देश के कोने-कोने से पर्यटक एवं श्रद्धालु ट्रेन के माध्यम से यात्रा करते है।

जिसमें प्रमुख यात्री गाड़ी संख्या 02504 नई दिल्ली - डिब्रूगढ़ राजधानी एक्स्प्रेस, 05956 पुरानी दिल्ली - कामाख्या ब्रम्ह्पुत्र मेल, 02424 नई दिल्ली - डिब्रूगढ़ राजधानी एक्स्प्रेस, 05910 लालगढ़ - डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक्स्प्रेस, 02550 आनन्द विहार-कामाख्या नार्थइस्ट एक्स्प्रेस, 05623 भागवत की कोठी - कामाख्या एक्स्प्रेस, 02502 आनन्द विहार–अगरतला तेजस एक्स्प्रेस , एवं 05622 आनन्द विहार–कामाख्या एक्स्प्रेस का परिचालन अब विद्युत कर्षण पर सम्भव हो सका है जिसमें कोर की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

कोर द्वारा पूर्व में ही मिशन इलेक्ट्रिफिकेशन के तहत लगभग 1600 रूट किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया था। शेष 400 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण का कार्य अन्य संस्थाओं द्वारा किया गया, जिसमें श्रीरामपुर से न्यू बोंगाईगांव खण्ड का विद्युतीकरण का कार्य दिनांक 07.10.2021 को पूर्ण हो जाने के उपरान्त दिल्ली से कामाख्या तक का मार्ग पूर्णरूप से विद्युतीकृत हो गया है। अब इस रूट पर बिना इंजन परिवर्तन के सवारी एवं माल भाड़ा गाड़ियाँ निर्वाध रूप से विद्युत कर्षण पर चलने लगी है, जिस कारण से समय एवं ईंधन में होने वाला व्यय की बचत हो सकी।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए संकल्पित शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ भारतीय रेल को हरित रेल बनाने की राह पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज, अहम भूमिका अदा कर रहा है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज